

प्रेषक,

अजय सिंह नबियाल,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सिंचाई अनुभाग

देहरादून, दिनांक 28 जुलाई, 2009

विषय:- केन्द्रपुरोनिधानित बाढ़ योजनाओं की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति-लागत रु0 1047.33 लाख।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 1396/मु0अ0वि0/बजट/बी-1 योजना दिनांक 08.05.09 के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि निम्नलिखित तीन योजनाओं के रु0 1072.00 लाख की लागत के आगणनों पर टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरान्त संस्तुत रु0 1047.33 लाख (रुपये दस करोड़ सैंतालीस लाख तैंतीस हजार मात्र) की लागत के आगणन की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रस्तर-2 में उल्लिखित प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष प्रदान करते हैं :-

(Cost in Lakh Rs.)

Sl. No.	Name of Scheme (s)	Original Estimated Cost	Justified Cost after checking of TAC
1	Flood Protection of village Shyampur along Bangalla Nala in Distt. Dehradun	439.00	424.14
2	Flood Protection of village Shyampur along Goyal Nala in Distt Dehradun.	301.00	296.58
3	Flood Protection of ITITI Jhanjhra under T.S.P along tons River in Distt. Dehradun.	332.00	326.61
		1072.00	1047.33

2- प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान की जा रही है :-

1. योजनाओं का क्रियान्वयन/कार्य प्रारम्भ तभी किया जायेगा जब केन्द्रांश स्वीकृत होकर प्रथम किस्त प्राप्त हो जायेगी।
2. कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरों शेड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।
3. कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
4. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए जितनी लागत स्वीकृत की गयी है।
5. एक मुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व, विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाए।

.....2

6. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें ।
7. निर्माण सामग्री क्रय करने से पूर्व मानकों एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली का पालन कड़ाई से किया जाए ।
8. कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता से कार्य स्थल का भली-भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाए, तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाए ।
9. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य कर लिया जाए तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाए ।
10. मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.5.06 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय या आगमन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें ।

यह आदेश वित्त विभाग के आशासकीय संख्या-194/XXVII(2)/2007 दि० 11.07.09 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अजय सिंह नबियाल)
अपर सचिव

संख्या:- 1305 / 11-2008-04(08)/08 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड ।
2. निजी सचिव, मा० सिंचाई मंत्री जी को मा० मंत्री जी के सज्ञानार्थ ।
3. निदेशक (एम.पी.2) जल संसाधन मंत्रालय, गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग, सिंचाई भवन, तीसरी मंजिल, पटना-800015 को उनके पत्रसंख्या गं.बा.नि.आ./एम.पी.-2/ 123/ 2007/ 1384-85 दिनांक 02.03.09 के क्रम में।
4. वित्त अनुभाग-2 ।
5. जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून ।
6. नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
7. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. अधिशासी निदेशक, सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड ।
9. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(एस०एस०टोलिया)
अनु सचिव